विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 19 से 25 फरवरी 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 40 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में पिता के जैसा त्यागी,परमार्थी कोई दूसरा रिश्ता नहीं हो सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की पिता मेहनत से नहीं हारता है लेकिन पिता उस दिन हार जाता है जब उसकी ही औलाद बड़ी बनने पर उससे कहती है कि तुमने मेरे लिए क्या किया. जीवन में माता-पिता को जीते जी जितना सुख दे सकें, देकर पुण्य कमा लें. उनकी आंखों से निकला आंसू सदा बर्बादी का कारण बनता है. ऐसे में केवल मुस्कराहट लाते रहें.

75 स्कूलों को अल्पसंख्यक दर्जा देने का आदेश रद्द

मुंबई- महाराष्ट्र सरकार ने आरक्षण रद करने के साथ ही अल्पसंख्यक विभाग के कामकाज पर कड़ा रुख अपनाया है. विभाग के उप सचिव मिलिंद शेनाय का तबादला कर दिया गया है और उनके विरुद्ध जांच के आदेश दिए गए हैं.यह कार्रवाई कथित तौर पर बिना उचित प्रक्रिया के 75 स्कूलों को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने से जुड़ा है, जिस पर राज्य सरकार ने रोक लगा दी है. बताया जा रहा है कि करीब 20 दिन पहले अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा 75 स्कूलों को अल्पसंख्यक दर्जे के प्रमाण पत्र जारी किए गए थे.यह दर्जा उपमुख्यमंत्री **शेष पेज 7**

राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 को चुनाव

महाराष्ट्र, ओशिा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार

विदर्भ स्वाभिमान, 18 फरवरी

नई दिल्ली/मुंबई- चुनाव आयोग ने 10 राज्यों में खाली हो रही 37 राज्यसभा सीटों के चुनाव की घोषणा कर दी है. आयोग ने बताया है कि चुनाव 16 मार्च को होंगे.महाराष्ट्र से रिटायर होने वालों में राकांपा के शरद पवार के अलावा कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंधवी, साकेत गोखले, रामदास आठवले, एम. थंबीदुरई, एआईडीएमसे, तिरूचि शिवा, शिवसेना उबाठा की प्रियंका चतुर्वेदी तथा हरिवंश सिंह का समावेश है.

आयोग ने बताया है कि महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार की सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे. ये सीटें अप्रैल महीने में अलग-अलग तारीखों को खत्म हो रही है. गौरतलब है कि राज्यसभा का कार्यकाल 6 साल का होता है. लेकिन हर एक तिहाई सीटों के लिए हर दो साल पर चुनाव कराए जाते हैं. इस वजह से ही राज्यसभा को स्थाई सदन कहा जाता है. ऐसा इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि लोकसभा की तरह राज्यसभा कभी भंग नहीं होती है.

चुनाव आयोग ने जारी किया टाइम टेबल-राज्यसभा चुनाव को लेकर 26 फरवरी को अधिसूचना जारी होगी. इसके बाद नामांकन के लिए आखिरी तारीख 5 मार्च है. वहीं नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 9 मार्च है. 16 को चुनाव होंगे. उसी दिन शाम के पांच बजे से वोटों की गिनती शुरु

हो जाएगी.

कैसे कराए जाते हैं राज्यसभा चुनाव-राज्यसभा के चुनाव लोकसभा से बहुत अलग होते हैं. यहां जनता सीधे वोट नहीं डालती. राज्यसभा के सदस्यों को राज्यों की विधानसभाओं के विधायक चुनते हैं. यह अप्रत्यक्ष चुनाव होता है. राज्यसभा में कुल 245 सदस्य होते हैं, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और कुछ केंद्रशासित प्रदेशों से चुने जाते हैं और 12 को राष्ट्रपति नामित करते हैं. हर सदस्य का कार्यकाल 6 साल का होता है और हर 2 साल में करीब एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं, इसलिए चुनाव नियमित रूप से होते रहते हैं.

आईटीआई से यूके तक में माधुरी डों गरे ने गाड़ा कामयाबी का झंडा, नाम किया रोशन

विदर्भ स्वाभिमान, 18 फरवरी

अमरावती- कहते हैं कि अगर मन में कुछ करने का जज्बा है तो प्रकृति भी साथ देती है. इसी तरह का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है आईटीआई की ट्रेनिंग से लेकर इंग्लैंड के प्रतिष्ठीत कॉलेज से एमएमसी के बाद पीएचडी कर रही माधुरी डों गरे. माधुरी का जन्म अमरावती शहर के बडनेरा की पुरानी बस्ती में एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ. मेरे मित्र रवीन्द्र दांडगे ने इस बच्ची की कहानी जब बताई तो निश्चित ही अमरावती की बेटी पर गर्व की अनुभूति हुई. भारतीय रेल मानचित्र पर बडनेरा जंक्शन के रूप में पहचान रखने वाला यह शहर, लेकिन माधुरी का बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता. परिवार में तीन भाई-बहन. एक छोटे से कमरे में माता-पिता के साथ रहना, सीमित साधन और संघर्षपूर्ण जीवन यही

बडनेरा की माधुरी डोंगरे की सफलता की कहानी

उसकी वास्तविकता थी.

माँ गृहिणी और पिता सरकारी नौकरी में मैकेनिक के पद पर कार्यरत थे. घर पर भी वे टीवी और रेडियो मरम्मत का काम करके परिवार की मदद करते थे. माता-पिता का संघर्ष माधुरी ने बहुत **शेष पेज 7 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

हर नजर सतर्क रहना हो गया है सबसे जरूरी

कहते हैं कि जिस देश का हर नागरिक सतर्क रहता है, वहां कभी भी राष्ट्र विरोधी ताकतों को कुछ गड़बड़ी करने का मौका नहीं मिलता है. लेकिन जिस राष्ट्र में लोग सब कुछ सरकार पर ही छोड़ देते हैं, वहां बम विस्फोट के साथ ही अन्य घटनाएं होना आम बात हो सकती हैं. राष्ट्र भक्तों की सतर्क नजर कई बलाओं को रोक देती है.जिले के साथ ही राष्ट्र में भी राष्ट्र द्रोही ताकतों की संख्या में तेजी से होने वाली वृद्धि तो निश्चित ही हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि हम हर पल अपने इर्द-गिर्द की स्थितियों पर बारीकी से नजर रखें. इतना ही नहीं तो किसी भी तरह की गड़बड़ी अथवा संदेह होने पर तत्काल पुलिस तथा संबंधितों को सूचित करें. विगत दिनों यवतमाल के साथ ही अहिल्या नगर के सात स्थानों पर महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते के दल द्वारा जिस तरह से छापे मारी की गई, उसके बाद यह बात अत्याधिक आवश्यक है. वर्तमान में नजर हटी कि दुर्घटना घटी वाली स्थिति निश्चित तौर पर चिंताजनक है.

महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते ने आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार को अमरावती संभाग के यवतमाल जिले तथा अहिल्या नगर में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद कई स्थानों पर छापे मारे. इसकारवायी की सराहना की जानी चाहिए. आतंकवादी तथा इस तरह की हरकतें करने का निरंतर प्रयास करने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस के कार्रवाई के साथ लोगों को भी जागरूकता का परिचय देते हुए हमारे इर्द-गिर्द के स्थितियों पर बारीकी से नजर रखना चाहिए. देश का नागरिक जब सतर्क होगा और हर तरह की स्थितियों पर नजर रखेगा तो निश्चित तौर पर आतंकवादियों के हौसले पस्त होंगे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी. यवतमाल तथा अहिल्या नगर जिले में आतंकवादी रोधी दस्ते की कई टीमों ने एक साथ कार्रवाई की. स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर यवतमाल जिले के पुसद में 11 और उमरखेड में तीन स्थानों पर टीम ने छापामारी की. संदिग्धों के आवास, कार्यालय तथा अन्य स्थानों की गंभीरता से तलाशी ली गई.

इस दस्ते द्वारा करवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की जाती है. छापे की इस कारवायी में टीम द्वारा 21 से अधिक स्थान पर तलाशी ली गई और एक दर्जन से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया. कार्रवाई में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों ने भी भाग लिया और बताया जाता है कि राज्य में युवाओं को कट्टरपंथी बनाए जाने की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी दस्ते ने छापामारी की यह कार्रवाई की. तलाशी के दौरान मोबाइल फोन इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सीसीटीवी फुटेज और कई संवेदनशील दस्तावेज टीम ने जप्त किया. यवतमाल के अलावा अहिल्यानगर में भी जिस तरह से पुलिस ने कार्रवाई की और आतंकवादियों से संबंध रखने वाले संदिग्धों का पर्दाफाश किया उसकी सराहना की जानी चाहिए. लोगों को भी अपने इर्द गिर्द सतर्कता के साथ संदिग्धों की हरकतों पर नजर रखनी चाहिए.केवल पुलिस की ही यह जिम्मेदारी नहीं है, हम सभी सतर्क नागरिकों की भी जिम्मेदारी मानना चाहिए.

जिले की शान हैं मनीष पावडे

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

आज का दौर स्वार्थ का है, इसमें किसी के लिए किसी को फुर्सत नहीं है. लेकिन कुछ लोग आज भी ऐसे हैं, जो समाज के लिए जीते हैं और माता-पिता के आदर्श संस्कारों पर चलते हुए ऐसे लोगों के लिए कार्य करते हैं जिनका कोई नहीं होता है. ऐसे ही लोगों में हैं सर्वज्ञ फाउंडेशन के माध्यम से लाखों लोगों को अन्नदान करने वाले युवा समाजसेवी मनीष रमेश पावडे. सरस्वती नगर में सर्वज्ञ फाऊंडेशन वर्तमान में हजारों निराधारों, बेसहारों के लिए आधार देने का कार्य आठ साल से कर रही है. मानव सेवा को ईश्वर सेवा मानने वाले मनीषभाई कहते हैं कि इस तरह की सेवा से उन्हें अपार खुशी मिलती है. इस सेवा कार्य के लिए अभी तक दो दर्जन से जिलास्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तकके पुरस्कार उन्हें प्राप्त हो चुके हैं.

सीधे-सादे और पिता रमेशराव पावडे के आदर्श विचारों पर चलने वाले मनीष पावडे का कहना है कि अपने लिए जानवर जीते हैं लेकिन हम इंसान हैं, ऐसे में इंसानियत का परिचय देते हुए जितना संभव हो सके, उतना हमसे कमजोर लोगों के लिए करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से मन में जो प्रसन्नता होती है, वह करोड़ों की दौलत से अधिक होती है.7 जून 2018 से अन्नदान का सिलसिला शुरू है.अमरावती के सरस्वती नगर में एक संस्था, सर्वज्ञ फाउंडेशन, पिछले आठ सालों से बेसहारा लोगों की मदद के लिए सामाजिक काम कर रही है. स्वर्गीय

श्री रमेशराव पावड़े की प्रेरणा से शुरू हुई यह सेवा यात्रा 7 जून 2018 से लगातार चल रही है.स्वर्गीय रमेश पावड़े की प्रेरणा से और पुष्पलता रमेशराव पावड़े के आशीष से यह संस्था पिछले आठ सालों से रेगुलर काम कर रही है. संस्था का काम है- रोज़ खाना दान करना, अंधे और दिव्यांगों के लिए शादी समारोह आयोजित करना और उनके परिवारों की मदद करना, ठंड में कंबल बांटना, गर्मियों में पानी देना, बेसहारा लोगों को चप्पलें बांटना, ब्लाइंड स्कूल में लिटरेचर बांटना, बेसहारा लोगों की दाढ़ी काटना, बीमारों की मदद करना, दिव्यांगों की मदद करना, पेड़ लगाना और उन्हें जीवित करना, पक्षियों के लिए घोंसले बनाना, वगैरह. सड़क पर बेसहारा लोगों के लिए रेगुलर खाना दान चल रहा है. इस संस्था को लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों को खाना दान करने का सौभाग्य मिला. सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक को दिल्ली, संत रविदास महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, अटल बिहारी वाजपेयी के साथ-साथ मुंबई, पुणे, औरंगाबाद, कोल्हापुर, सोलापुर, शेगांव, नागपुर, अमरावती वगैरह जगहों पर कई अवॉर्ड दिए गए. सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक को अब तक कई अवॉर्ड मिल चुके हैं.क़ोई भी भूखा नहीं रहे, बस यही शुद्ध भावना मनीष और सौ. पावडे तथा परिवार की रहती है.उन्हें मदद मिलती है, उनका कहना है कि अंबानगरी में दाताओं की कमी नहीं है. समर्पित भाव से करने के बाद सब संभव है, इसका मनीष पावडे उदाहरण हैं. हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.

कल्याणकारी राजा छत्रपति शिवाजी महाराज

विदर्भ स्वाभिमान आज शिवजयंती पर विशेष

महाराष्ट्र की पवित्र भूमि महान राजाओं, संतों, महात्माओं की भूमि है, जिन्होंने अपने कामों से सदा अपने कामों से नया इतिहास रचा है. महान कल्याणकारी राजा के रूप में हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज हैं, जिन पर न केवल भारत बल्कि पूरा विश्व गर्व कर सकता है. भारतभूमि के इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है. वे केवल एक पराक्रमी योद्धा ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी शासक, कुशल संगठक और जनकल्याणकारी राजा थे. 17वीं शताब्दी में जब देश पर विदेशी सत्ता का प्रभाव बढ़ रहा था, तब शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज्य की स्थापना का संकल्प लेकर स्वतंत्रता की ज्योति प्रज्वलित की. प्रजा वत्सल के साथ ही महिलाओं का सदा सम्मान करने वाले राजा थे. सर्वधर्म समभाव को सदा महत्व दिया. उनका कार्य महान था. दगाबाजी कभी स्वीकार नहीं करने के साथ ही छत्रपति शिवाजी महाराज विश्व के ऐसे महानतम राजा हुए, जिन्होंने प्रजा को सदा पुत्रवत माना, वहीं मुगल शासकों के मामले में काल साबित हुए. उनके आदर्श विचारों पर आज चलने की जरूरत है. गुरूवार को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर महान,कल्याणकारी राजा को नमन,वंदन.शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी किला में हुआ. उनकी मांसाहेब जीजाबाई ने उनमें धर्म, नीति और साहस के संस्कार डाले, जबकि उनके पिता शाहाजी भोसले एक प्रतिष्ठित सेनानायक थे. बाल्यकाल से ही शिवाजी में स्वाभिमान, नेतृत्व और संगठन की अद्भुत क्षमता दिखाई देती थी.

स्वराज्य से सुराज्य तक

छत्रपति शिवाजी महाराज किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं करते थे.फिर वह चाहे अपना हो अथवा पराया. अन्याय करने वालों के मामले में उनकी सजा देने की प्रवृत्ति भी ऐसी थी कि दूसरा कभी हिम्मत नहीं करे. शिवाजी महाराज ने कम आयु में ही कई किलों पर अधिकार कर अपनी शक्ति का विस्तार किया. उन्होंने मुगल सम्राट औरंगज़ेब और अन्य विदेशी शक्तियों के विरुद्ध साहसपूर्वक संघर्ष किया.उनकी युद्धनीति गनिमी कावा अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई. विश्व के कई देश उनकी इस युद्ध नीति का आज भी सहारा ले रहे हैं. निश्चित ही इससे बड़ा गौरव और क्या हो सकता है. मुगलों से कम ताकत रहने के बाद भी जिस तरह से वे लड़े और चित किया, वह अपने आप में सबसे बड़ा इतिहास है.

1674 में रायगढ़ किले पर उनका राज्याभिषेक हुआ और वे छत्रपति के रूप में प्रतिष्ठित हुए. यह केवल एक राजा का राज्याभिषेक नहीं था, बल्कि भारतीय स्वाभिमान की पनर्स्थापना थी.मुगलों के साथ लोहा लेना उस समय आसान नहीं था लेकिन राष्ट्र प्रेम से बड़ा दूसरा दायित्व नहीं होने की मां जिजाऊ की सीख ने ही बचपन से राष्ट्र प्रेम की अपार भावना उनमें पैदा की और पश्चात इतिहास रचा.आज छत्रपति शिवाजी महाराज के राष्ट्र संबंधी विचारों पर प्रभावी अमल किया जाए तो निश्चित तौर पर पूरे विश्व में भारत की शायद ही कोई बराबरी कर सके. शिवाजी महाराज ने सुशासन की मिसाल कायम की. उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना कर प्रशासन को व्यवस्थित किया. वे धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधर थे और सभी धर्मों का सम्मान करते थे. महिलाओं के सम्मान और प्रजा की सुरक्षा को उन्होंने सर्वोच्च प्राथमिकता दी. उनकी नौसेना भी अत्यंत सशक्त थी, जिसने समुद्री सीमाओं की रक्षा की. क़ई मामले में छत्रपति शिवाजी महाराज को महान दार्शनिक भी माना जाता था. सेना किस तरह मजबूत रहती है और राष्ट्र की सुरक्षा किस तरह सर्वोपरि होती है, इसका आदर्श उदाहरण उन्होंने विश्व के समक्ष रखा.शिवाजी महाराज साहस, नीति, करुणा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे. वे प्रजा के दुख-दर्द को समझने वाले शासक थे. उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और संगठन शक्ति से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है.छत्रपति शिवाजी महाराज केवल महाराष्ट्र के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत के गौरव हैं. उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं. स्वाभिमान, धर्मनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम की जो ज्योति उन्होंने प्रज्वलित की, वह युगों-युगों तक जलती रहेगी.

सुदर्शन गांग,
समाजसेवी,
बडनेरा
9422156523

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

छत्री तालाब सौंदर्यीकरण बढ़ाएगा अंबानगरी की शान

मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक की आदर्श तथा सराहनीय पहल, दौरा कर दिए कई निर्देश

विदर्भ स्वाभिमान,18 फरवरी

अमरावती- शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है लेकिन शहर में बच्चों के लिए खेलने लायक पर्यटन स्थलों की कमी लंबे समय से शहरवासियों को त्रस्त कर रही है. कुछ साल पहले तक वडाली तालाब, छत्री तालाब क्षेत्र पर्यटन के रूप में शहरवासियों की इस इच्छा को थोड़ा पूरा कर रहा था लेकिन वह भी कुछ वर्ष से बंद होने के बाद छट्?टी के दिन कोई ऐसी जगह नहीं थी. इस मामले में महत्वाकांक्षी छत्री तालाब प्रकल्प महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. इस मामले में मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक की गंभीरता की सराहना की जानी चाहिए. उन्होंने मंगलवार को स्वयं क्षेत्र का दौरा किया और यहां जारी विभिन्न कामों का निरीक्षण करते हुए निर्धारित समय में यह काम पूरा करने का निर्देश अधीनस्थों को दिया.

शहर की सुंदरता को बढ़ाने में सक्षम रहने वाली छत्री तालाब प्रकल्प का काम समय पर और गणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा ने दिया. आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने मंगलवार को शहर के महत्वाकांक्षी छत्री तलाव प्रकल्प का स्थल निरीक्षण कर कार्यो की प्रगति, गणवत्ता और समयसीमा की विस्तृत समीक्षा की. निरीक्षण के दौरान अधिकारियों, अभियंताओं और ठेकेदार प्रतिनिधियों को विभिन्न जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया. यहां पर जारी सौंदर्यीकरण, आधारभूत सविधाएं, पर्यावरण अनुकूल उपाय, पैदल मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, हरित पट्टी, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा कार्यों की जांच की करने के साथ यहां जारी सभी काम तय तकनीकी मानकों के अनसार उच्च गणवत्ता के साथ और निर्धारित समय में पूरे किए जाएं, किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी.

मनपा आयुक्त ने दौरे के दौरान यहां उन्होंने नागरिकों और कामगारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, अनावश्यक विलंब रोकने, साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और

विभागीय समन्वय मजबूत रखने के आदेश दिए. तालाव क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने और सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए. आयुक्त ने ऐतिहासिक मुख्य छत्री के सौंदर्यीकरण के लिए विशेष निधि उपलब्ध कराने की सहमति भी दी. यह प्रकल्प पर्यटन विकास, पर्यावरण संतलन और नागरिकों को स्वच्छ व सुरक्षित विरंगुला स्थल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित होगा. नागपुर के बाद अमरावती दूसरा सबसे बड़ा शहर है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि शहर में पिकनिक स्पॉटों की कमी खलने लायक है. पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमख के कार्यकाल के दौरान प्रशांत नगर जैसे बगीचे बनाए गए थे और राहत दे रहे थे लेकिन कुछ वर्षों से यह भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं. कुछ ही बगीचें ऐसे हैं, जो आज भी सही स्थिति में हैं. मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक की इस पहल की सराहना की जा रही है.

मनीष पावडे को राष्ट्रीय संत गाडगेबाबा सामाजिक अवार्ड

विदर्भ स्वाभिमान,18 फरवरी

अमरावती- उल्लेखनीय सामाजिक कामों के लिए मनीष रमेशराव पावडे को प्रतिष्ठित संत गाडगे बाबा सामाजिक पुरस्कार 2025 घोषित किया गया है. इसके लिए उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है. संत गाड़गेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा कै. नागोराव जयरामजी मेटकर स्मृति के उपलक्ष्य में, संत गाडगे बाबा के दशसूत्र सिद्धांतों के अनुसार उल्लेखनीय सामाजिक कार्य के लिए वर्ष 2025 का संत गाडगेबाबा सामाजिक कार्य पुरस्कार घोषित किया गया है. यह पुरस्कार अमरावती के सामाजिक कार्यकर्ता तथा सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावडे को प्रदान किया जाएगा.पुरस्कार वितरण समारोह गुरुवार 26 फरवरी को दोपहर 3 बजे विश्वविद्यालय के डॉ. पंजाबराव देशमख अधिसभा सभागार में कुलगुरू डॉ. मिलिंद बारहाते के हाथों संपन्न होगा. यह पुरस्कार दान निधि से स्थापित स्मृति पुरस्कार के अंतर्गत दिया जा रहा है.सर्वज्ञ फाउंडेशन, सरस्वती नगर, अमरावती में पिछले आठ वर्षों से निराश्रित और जरूरतमंद लोगों के लिए निरंतर सेवा कार्य कर रही है. संस्था की प्रेरणा स्व. रमेश पावडे से मिली. अध्यक्ष मनीष पावडे, सचिव वैशाली पावडे और उनके सहयोगियों द्वारा नियमित रूप से अन्नदान, कंबल वितरण, गर्मी में पानी व्यवस्था, जरूरतमंदों को चप्पल वितरण, अंध विद्यालय में सामग्री वितरण, निराश्रितों की हेयरकट-दाढ़ी सेवा, मरीजों और दिव्यांगों की सहायता, वृक्षारोपण और पक्षियों के लिए घोंसले बनाने जैसे अनेक उपक्रम चलाए जा रहे हैं.विश्वविद्यालय द्वारा उनके कार्यों की सराहना करते हुए अमरावती जिले से उनका सम्मान किया जा रहा है. पुरस्कार घोषित होने पर विभिन्न स्तरों से उन्हें बधाइयाँ मिल रही हैं.पिता रमेशराव पावडे के आदर्श विचारों पर चलने वाले मनीष पावडे का परिवार,पत्नी भी सेवाभाव से ओतप्रोत रहती हैं. उन्हें पहले भी कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. मानव सेवा को श्रेष्ठ सेवा मानते हैं.

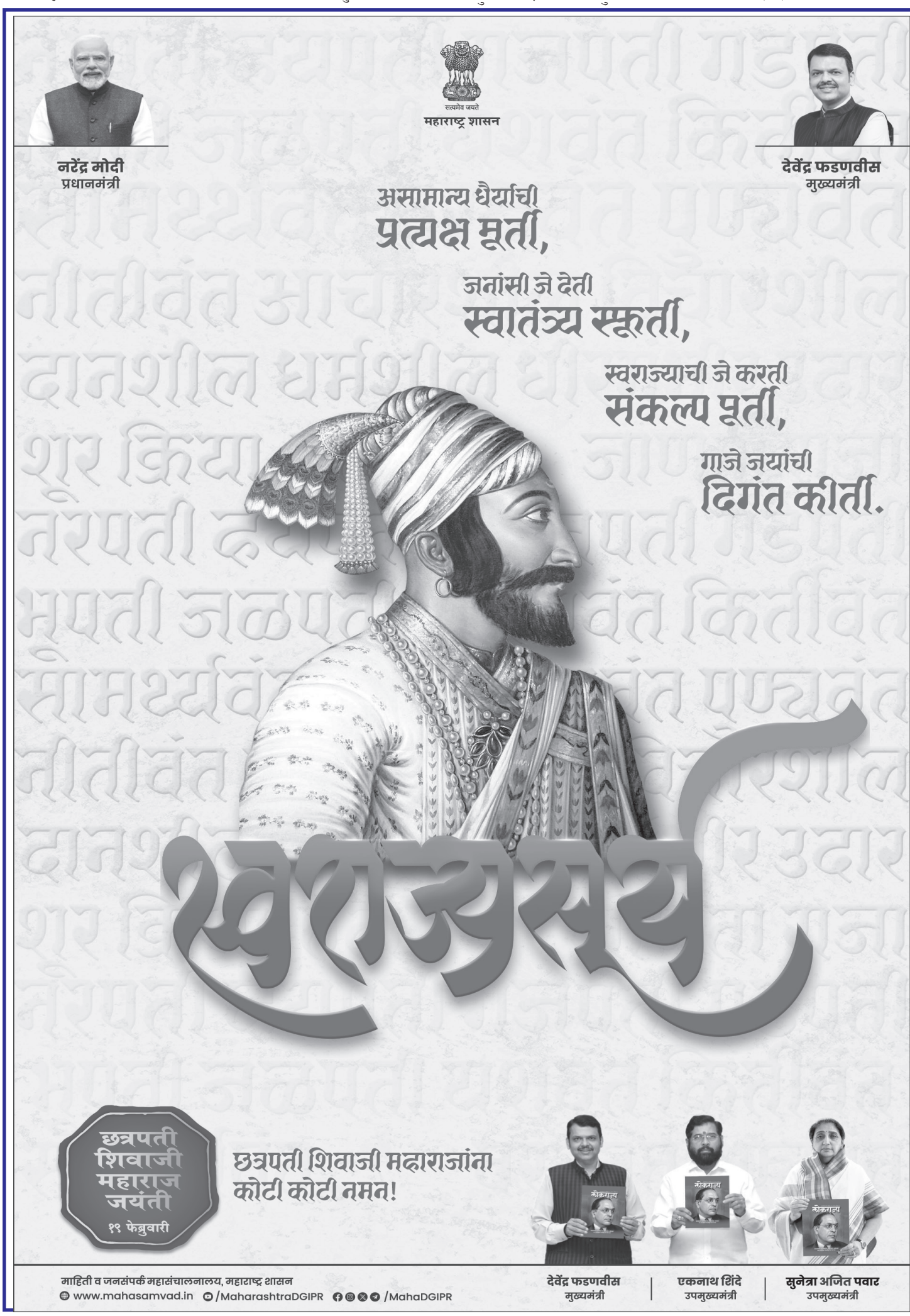

लक्ष्मी प्रणयकलह कर कोल्हापुर पहुंच गई

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी- श्रीहरि फिर से वेंकटाद्रि पर्वत पर लौट आये. ऐसा बतानेवाले सूत को देखकर शौनकादि मुनियों ने कहा. 'श्री महालक्ष्मी को ढूंढने हेतु श्रीहरि फिर से वेंकटाद्रि पर्वत पर क्यों कर आये? ऐसा व्यर्तनिवाले सूत की होकार धरती पर वेंकटादि पहुँचनेवाले हरि ने वहाँ पर क्या किया?' वर्तमा मुनियों के पूछने पर सूत ने इस रूप में कहा. 'सुनिए! श्री वेंकटाद्रि पर पहुँचकर वहाँ रहनेवाले श्री वराह स्वामी के और पुष्करिणी के दक्षिण में शोभित तिंत्रिणी वृक्ष के मूल में बने वल्मीक के विवर में प्रवेश कर गए. कई वर्षों तक किसी को दिखाई नहीं दिया. बांबी में रहते, धरती पर अट्ठाईस द्वापरांत के बाद कलि युग शुरु हो गया. तब धरती पर चोल राज धर्म से पालन कर रहा था. ऐसे समय में वरुण देव सही समय वर्षा कर रहे थे. पृथ्वी पर सकल सश्य श्यामल था. गायें बहु क्षीर दे रही थी. पतिव्रत स्त्रियाँ, सतीव्रत पुरुष, माता-पितृ भक्त पुत्र धरती पर हुआ करते थे. ऐसे कलियुग के आदि काल में कोल्हापुर पहुँचनेवाली लक्ष्मी को श्रीहरि के वैकुंठ छोड़कर शेषाचल पहाड़ पर तिंत्रिणी वृक्ष के वल्मीक में वास करने का समाचार प्राप्त हुआ. वे अपने आप में दुःखी होकर चिंता करते हुए इस रूप में तर्क-वितर्क करने लगी.

'मेरे लिए कमलनाथ! वैकुंठ छोड़कर वल्मीक में अकेले छिपकर रहने लगे हैं. अहो! अब मैं क्या करूँ?'. वे शीघ्र ही कोल्हापुर छोड़कर ग्वालिन के रूप में वेशधारण करके चोल राज की पत्नी के पास चली गयी. उस रानी के मणिमंदिर के पास पहुँचकर 'हरि को मैं कैसे तृप्त करूँ?' सोचते.

ब्रह्म और रुद्र का गाय और बछड़ा बन जाना-लक्ष्मी के इस रूप में मन में सोचते समय महालक्ष्मी के भाव को समझ कर ब्रह्म ने रुद्र को साथ में ले आकर वहाँ पर धेनु का रूप धारण कर लिया. वह ऐसा है कि कपिल वर्ण का सुडौल शरीर, मंगलकर श्रृंग, युगल, काजल लगाए नेत्र, सुंदर कान, काला चमकने वाला नासिका पुट, गुरूतर कंठ, बड़ा नोपुर, बड़ा उदर, उचित दीर्घ मूंछ, चमकने वाली दृष्टि शोभति जांघे, पूर्ण कुंभऊ जैसा थन, भार से केले के फल समान चार स्तनों के साथ क्षीर वारिधि में पैदा होकर उत्साह से रहने वाली कामधेनु की तरह लक्ष्मी के पास आकर खड़ी हो गयी. तब वाम देव (शिव) उसका बछड़ा बन गये. वह बछड़ा धवल वर्ण में चमकते अपनी माँ के पास दूध पीते उछलते-कूदते बाल क्रीडाएँ करने लगा. गाय और बछड़े को देखकर लक्ष्मी ने पहचान लिया. ब्रह्म और रुद्र इस रूप में श्रीहरि को प्रयोजन पहुँचाने के लिए वेश धारण कर लिया. लक्ष्मी तब उन दोनों को पकड़कर लाकर उन्हें बेचने की कोशिश करने लगी. लक्ष्मी के बेचने की पुकार सुनकर चोल राज की पत्नी ने अपनी बेटी को दूध पिलाने उस गाय और बछड़े को आवश्यक धन देकर खरीद लिया. ऐसा खरीदकर पहले से उनके पास रहनेवाले दो सहस्र धेनु समूह में उसे शामिल करने के लिए उसे गोप को सौंप दिया. बाद में लक्ष्मी सोचने लगी कि 'यह धेनु और बछड़ा आगे वल्मीक में रहनेवाले श्रीहरि का पोषण करेंगी. अब मुझे कोई चिंता नहीं है. कहीं भी हो स्वामी का सुखी रहना ही मेरे लिए संतोष का विषय है.' ऐसा सोचती वे शीघ्र फिर से कोल्हापुर चली गयीं. तदुपरांत ब्रह्म स्वरूपी गाय प्रति दिन बाकी गायों के साथ चरती श्री वेंकटशैल पर चढ़कर अपने दूध को वल्मीक के अंदर रहनेवाले श्रीहरि को अर्पित करने लगी.

श्रीहरि गाय के उस क्षीर को पीकर अति प्रसन्न थे. मन में ही ब्रह्म और रुद्र की वे प्रशंसा करने लगे थे. उस समय चोल भूपाल की पत्नी ने अपनी पुत्री के लिए दूध लेने इसके पहले खरीदी गयी गाय को अपने सदन में लाने के लिए कहा. उन्होंने गाय को सहलाते हुए दुहने की कोशिश की. उसके थन में दूध नहीं था. तब उन्होंने मन में इस रूप में सोचा. 'गाय के थन को देखकर खरीदा. पूर्ण कलश जैसे धन को देखकर खरीदा. किंतु आश्चर्य से उसमें दूध ही नहीं है. यह कौन-सा पाप है? इस प्रकार चिंता करते हुए कुछ दिनों तक उस दिव्य धेनू पर ध्यान राखने हुए उसकी परीक्षा ली. फिर भी उससे दूध नहीं मिला. तब उन्होंने गोप को बुला भेज कर उससे इस रूप में कहा.

शेष अगले अंक में

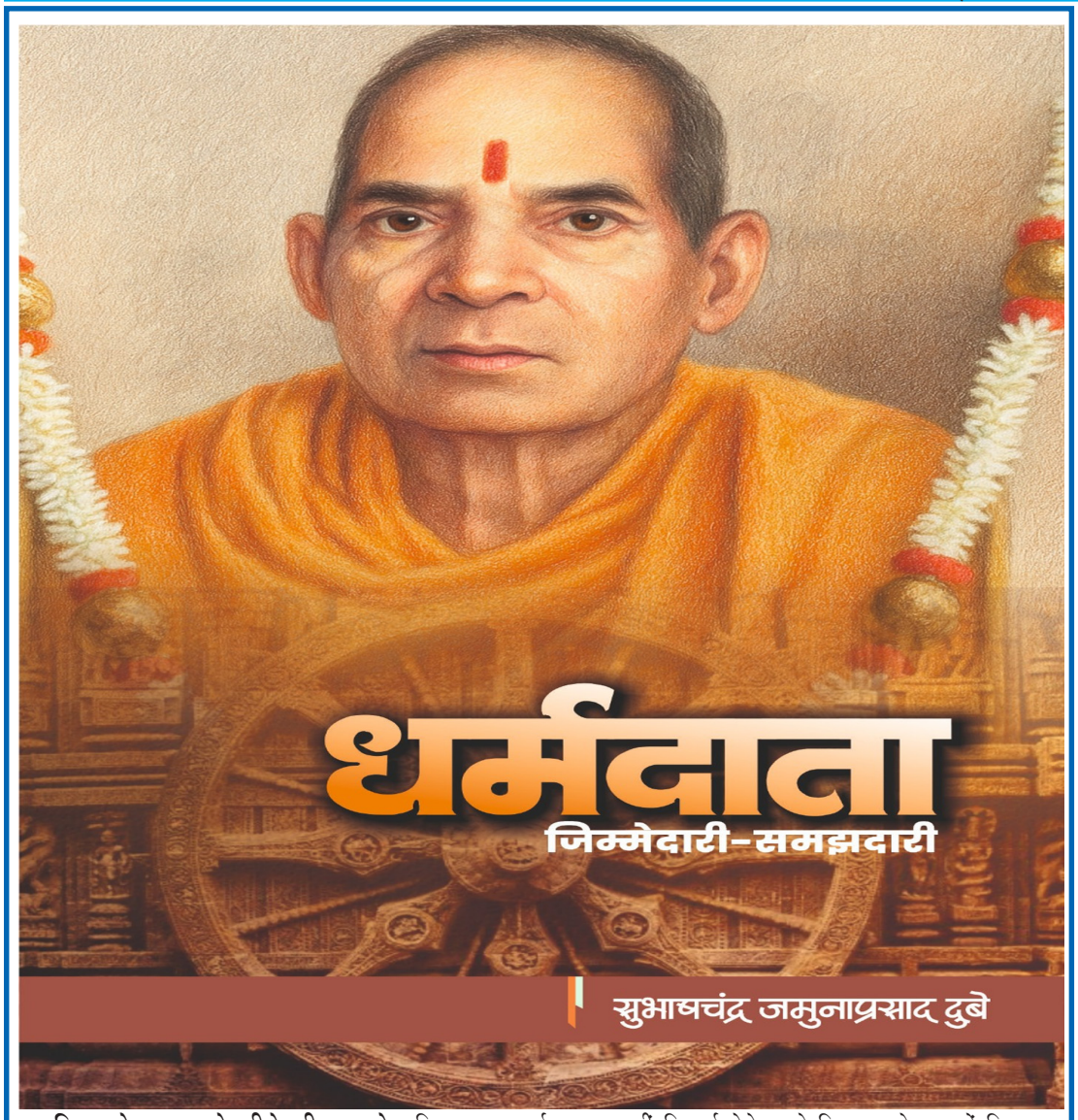

पिता के त्याग को जीते जी समझो-परिवार का कर्णधार या नहीं दिखाई देने वाले पिल्लर के रूप में पिता का उल्लेख किया जा सकता है. मां का त्याग महान है लेकिन हर बच्चे के जीवन में पिता का त्याग किसी भी रूप में कम नहीं है. मेरे जीवन के 50 वर्षों में पिता के त्याग और पिता की महत्ता, माता-पिता की सेवा के फल का प्रत्यक्ष जो अनुभव आया है, उसे किताब के माध्यम से दुनिया के सामने रखने का प्रयास किया है. किताब बुक करने के लिए

विदर्भ स्वाभिमान

मानव धर्म, माता-पिता सेवा महात्म्य तथा

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

श्रद्धा रियल होलसेल मॉल का लोकार्पण २२ को

सबसे बड़ा श्रद्धा माल करेगा ग्राहकों को निहाल,फैशन डेस्टिनेशन का शहर में नया शॉपिंग हब

विदर्भ स्वाभिमान, 18 फरवरी

अमरावती- तीन मित्रों की मेहनत, ग्राहकों के विश्वास के साथ ही अब श्रद्धा समूह न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ में तेजी से आगे बढ़कर कपड़ा व्यवसाय के क्षेत्र को गौरवान्वित कर रहा है. ग्राहकों का अपार विश्वास जहां इसे कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचा रहा है, वहीं दूसरी ओर बिजीलैंड में सवा लाख वर्ग फुट में विस्तारित और ग्राहकी की सभी जरूरतों को एक ही छत के नीचे पूरा करने का विक्रम भी इस प्रतिष्ठान ने बनाया है.

अब शहरवासियों के लिए 1.20 लाख वर्गफुट में विस्तारित, भव्य और अत्याधुनिक श्रद्धा रियल होलसेल मॉल लेकर आ रहा है. इसका लोकार्पण रविवार, 22 फरवरी को सुबह 11 बजे नांदगांव पेठ स्थित बिजीलैंड कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा. संचालकों के अनुसार, यह मॉल केवल खरीदारी का केंद्र नहीं बल्कि एक संपूर्ण फैशन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है, जहां परिवार के हर सदस्य के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी. ग्राउंड प्लस तीन मंजिला इस वातानुकूलित मॉल में किड्स, मेन्स, लेडीज व वेस्टर्न वेयर से लेकर ब्रइडल कलेक्शन, एथनिक ड्रेस, कोट-सूट, जोधपुरी, ब्लेजर, फेटा, जूती, कुर्ता-पायजामा, होलसेल साड़ियां, हैंडलूम, मैचिंग सेंटर तथा शूटिंग-शर्टिंग तक का विशाल संग्रह एक ही छत के नीचे मिलेगा.

मॉल में ग्राहकों की सुविधा के लिए तीन लिफ्ट, 22 हजार वर्गफुट की प्रशस्त पार्किंग, 150 लोगों की क्षमता वाला डायनिंग हॉल, फीडिंग रूम, किड्स ज़ोन तथा विश्राम हेतु स्वतंत्र बैठक व्यवस्था की गई है. संचालकों का दावा है कि

यह देश का पहला ऐसा शोरूम होगा जहां बाहर से आने वाले ग्राहकों के लिए भोजन व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी.

बबीता, सोनू व टप्पू आएंगे- लोकार्पण समारोह में लोकप्रिय टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के कलाकार उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम में बबीता अय्यर की भूमिका निभाने वाली मुनमुन दत्ता, सोनू की भूमिका में खुशी माली तथा टप्पू के रूप में नितीश भलूनी मुख्य आकर्षण रहेंगे.

जितना खरीदेंगे, उतना फ्री पाएंगे लोकार्पण दिवस पर जितना खरीदेंगे उतना ही फ्री पाएंगे योजना लागू रहेगी. उदाहरणस्वरूप, एक लाख रुपये की खरीदारी पर समान राशि का लाभ आगामी 30 दिनों में शॉपिंग के लिए दिया जाएगा. यह ऑफर केवल 22 फरवरी को मान्य रहेगा.

ज़ीरो से हीरो तक का सफर कहते हैं कि जिद,लगन और मेहनत हो तो आसमानी बुलंदी कदम चूमती है. इसका उदाहरण श्रद्धा समूह के तीनों संचालक हैं. 19 वर्ष में इतनी शानदार सफलता का रिकार्ड इस क्षेत्र में शहर में नहीं है. साल 2006 में छोटी दुकान से शुरू हुआ श्रद्धा साड़ी का सफर आज 1.20 लाख वर्गफुट के भव्य मॉल तक पहुंच चुका है. रमेश गिडवानी, सुरेश गिडवानी और पुरणलाल द्वारा शुरू की गई इस पहल ने समय के साथ श्रद्धा फैमिली शॉप के रूप में पहचान बनाई और अब विस्तारित रूप में श्रद्धा रियल होलसेल मॉल के रूप में सामने आ रही है. संचालकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस उत्सव का लाभ लेने का आह्वान किया है. अमरावती ही नहीं तो समूचे विदर्भ में श्रद्धा समूह की कामयाबी लोगों को प्रेरणा देने वाली है.

माया से दूर हो आनंद लूटते रहें

बुढ़ापे में अकेले न पड़ें और किसी पर बोझ न बनें इसलिए ये बातें अभी समझ लें और जीवन के अंतिम क्षण को खुशियों से सदा भरापुरा करने का प्रयास करें. माया से बचने और खुशियों को अपनाने की आदत ही बुजुर्गों के जीवन का सबसे बड़ा माध्यम होती है. इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव यहां दिए जा रहे हैं.

ज़मीन के झगड़ों में न पड़ें-सिर्फ पड़ोसी को सबक सिखाने के लिए अपना जीवन कोर्ट-कचहरी की सीढ़ियों पर मत गंवाइए. हो सकता है केस खत्म होने से पहले ही आप दुनिया छोड़ दें. और अगर लड़कर ज़मीन जीत भी ली, तो वहाँ आप नहीं वकील ही बसेंगे.

पुरानी गाड़ियाँ बोझ बन सकती हैं-पाँच लाख का फ़ायदा हो रहा है ऐसा सोचकर पुरानी गाड़ियाँ घर मत लाइए. अगर गाड़ी सड़क से ज़्यादा समय गैराज में खड़ी रहती है,तो दिल का दौरा गाड़ी को नहीं आपको आएगा.

संपत्ति ट्रांसफर करने की जल्दी न करें -आज भले ही बच्चे भगवान जैसे लगें, लेकिन एक बार सारी संपत्ति उनके नाम कर दी, तो उसी घर में आप अनचाही चीज़ बन सकते हैं. बच्चे बुरे नहीं होते, लेकिन दुनिया निर्दयी है. आखिरी साँस तक कुछ न कुछ अपने नाम पर ज़रूर रखें.

अपनी आखिरी बचत सुरक्षित रखें-साल की कमाई से बनी पेंशन बच्चों के बिज़नेस में मत लगाइए. अंत में दवाइयों के लिए आपको उन्हीं बच्चों के सामने हाथ फैलाना पड़ सकता है.

बच्चों के घर से चिपक कर न रहें -सिर्फ वे हमारे बच्चे हैं कहकर उनके निजी जीवन में दख़ल न दें. ज़्यादा नज़दीकी आपका प्यार उनके लिए बोझ बन सकता है. अपने लिए एक छोटी-सी जगह बनाइए और स्वतंत्र जीवन जिएँ.

तीर्थयात्रा के लिए बच्चों का इंतज़ार न करें- जब उन्हें छुट्टी मिलेगी तब वे मुझे ले जाएँगे ऐसा सोचकर प्रतीक्षा मत कीजिए. जब उन्हें समय मिलेगा, तब शायद आप चलने लायक भी न रहें. जब तक ताक़त है, अपने पसंदीदा स्थानों पर जाइए चाहे अकेले ही क्यों न हों.

आज जो खाने का मन हो, वही खाइए-अपने जीवनसाथी (पति/पत्नी) को आज ही उनकी पसंद की चीज़ खिलाइए. खाने की थाली लेकर श्मशान में रोते हुए कहना उन्हें यह बहुत पसंद था,सिर्फ दिखावा है. जीवन में स्व्यं भी खुश रहने के साथ ही माया मोह से दूर होकर अपने जीवन में मस्त जीने का प्रयास करें. बच्चे खुशियां देंगे,वर्तमान में यह थोड़ा अलग लगता है. पति-पत्नी जहां घूमना हो, हाथ पैर अच्छे रहते समय घूमें, मित्रों के साथ समय व्यतीत करें.

शुभेच्छुक- अरूण कडू, सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा समस्त आनंद परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, बडनेरा अमरावती.

आधे शहर में जलापूर्ति शुरू

अमरावती- अमरावती को सिंभोरा डैम से पानी पहुंचाने वाली मुख्य जलवाहिनी में आए बड़े लीकेज को 48 घंटे की लगातार मशक्कत के बाद दुरुस्त कर लिया गया है. सोमवार रात करीब 11:30 बजे पंचवटी से कांता नगर मार्ग पर पीडीएमसी अस्पताल के पास 90 सेंटीमीटर आकार और 1 मीटर व्यास की पाइपलाइन अत्यधिक दबाव के कारण फट गई थी, जिससे पूरे शहर की जलापूर्ति ठप हो गई थी. मजीप्रा की टीम ने मंगलवार सुबह से ही युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया. लगभग 20 मजदूरों और 15 अधिकारियों के दल ने दिन-रात काम करते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से की खुदाई, जांच और पाइपलाइन बदलने की प्रक्रिया पूरी की. बुधवार सुबह लीकेज पूरी तरह सुधार लिया गया. इस मरम्मत कार्य पर करीब 10 लाख रुपए खर्च हुए हैं.उपअभियंता संजय लेवरकर के अनुसार, पाइपलाइन पुरानी होने और अत्यधिक दबाव के कारण यह लीकेज हुआ. दो दिन तक महानगर को जलसंकट से जूझना पड़ा.

राष्ट्रधर्म,मानवधर्म प्रेमी व्यक्तित्व हैं डॉ.राजेश जवादे

आज जन्मदिन पर विशेष

माता-पिता की सेवा को मानते हैं दुनिया की सबसे बड़ी ताकत

छत्रपति शिवाजी महाराज के राष्ट्र प्रेमी विचारों से हैं ओतप्रोत

अमरावती जिले ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. राजेश जवादे का आज जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. महालक्ष्मी नेत्रालय के प्रमुख डॉ. राजेश जवादे आदर्श डाक्टर के साथ ही राष्ट्रीयता की भावना से ओतो ात रहने वाले व्यक्ति हैं. मानव सेवा को ईश्वर सेवा मानते हैं. उनके मुताबिक जीवन में किया गया अच्छा काम कभी बेकार नहीं जाता है. काम को पूजा मानने वाले तथा अभी तक हजारों गरीबों और जरूरतमंदों का शिविर में निःशुल्क जांच और ऑपरेशन करने वाले डॉ. राजेश जवादे जितने उत्तम नेत्र शल्य चिकित्सक हैं, उससे भी कई गुना अच्छे इन्सान हैं. संवेदनशीलता इतनी कि किसी के दर्द को नहीं देख सकते हैं.सांसद पिता स्व.भैयासाहब जवादे और मां प्रमिला जवादे को अपने जीवन का प्रेरणा स्त्रोत मानने वाले और सिद्धांतों को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाले डॉ. जवादे दिल के राजा व्यक्ति हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ 19 फरवरी को जन्मदिन के उपलक्ष्य में

बातचीत करते हुए कहा कि जिला सामान्य अस्पताल में उन्होंने सेवाएं दी हैं. यहां भी गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे. उनके मुताबिक उन्हों ने आदर्श आचार-विचार और मानवता की सीख माता पिता से ही मिली है. इतना ही नहीं तो वे कहते हैं कि जब हम अच्छी सोच के साथ कोई भी काम करते हैं तो सफलता हमें हर हाल में मिलती है. अभी तक 90 हजार से अधिक मोतियाबिन्दु और अन्य ऑपरेशन करने के साथ ही नवजात बच्चे की आंख का सफल ऑपरेशन करने का रिकार्ड है. अस्पताल को भी सेवा केन्द्र बनाने वाले डॉ. राजेश जवादे की नेत्र शल्य चिकित्सा में विश्वसनीयता इतनी है कि सुबह घंटे भर में पेशंट फुल हो जाते हैं.

उनके अस्पताल में न केवल जिला, विदर्भ, महाराष्ट्र बल्कि पड़ोसी मध्य प्रदेश से भी मरीज आते हैं. उनका कहना है कि जब हर व्यक्ति अपने काम को ठीक ढंग से करता है तो देश की प्रगति अपने आप होती है. बढ़ते भ्रष्टाचार के साथ ही राजनीति में नैतिक पतन पर चिंता जताते हुए वे कहते हैं कि यह वह महान देश है, जहां छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप जैसे देशभक्त और सच्चाई के लिए सब कुछ कुर्बान करने वाले राजा हरिशचंद्र पैदा हुए हैं. राष्ट्रधर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले डॉ. राजेश जवादे के मुताबिक राष्ट्र अगर सुरक्षित रहेगा तो ही हम सुरक्षित रहेंग. उनके मुताबिक जीवन में भगवान ने जो भी क्षेत्र में सेवा का मौका दिया है, उसमें पूरी तरह से समर्पित रहकर काम करना चाहिए.

इससे मिलने वाला समाधान निश्चित ही अपार खुशी देता है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने की बात वे कहते हैं. उनके मुताबिक काम अच्छा रहा तो आपको श्रेय स्वयं मिलता है. प्रचार करने की जरूरत नहीं रहती है.माता-पिता को जीवन का आदर्श मानते हैं.अंत में उनके जन्मदिन पर यह शायरी.....

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन। वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

गुरूवार से 19 से 25 फरवरी 2026 तक का भविष्य

मेष-फरवरी महीने का यह सप्ताह मिलाजुला रहेगा. सप्ताह के आरंभ में आपकी राशि में बुध का गोचर होगा. जबकि राहु पहले से ही आपकी राशि में विराजमान हैं. ऐसे में आपका दिमाग आपको सीधे रास्ते की बजाय पगडंडियों से ले जाने का काम करेगा और आप परंपरा से हटकर कुछ ना कुछ नया करेंगे. आप कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ कई बार तो आपके लिए भी यह समझना कठिन होगा कि आपने ऐसा क्यों किया है.

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों के लिए सप्ताह का आरंभ रोमांटिक होगा. आप कार्यक्षेत्र में विपरीतलिंगी साथी सहकर्मियों से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे. नौकरी में आपका सम्मान बढेगा. सरकारी क्षेत्र से संबंधित काम में आपको सफलता मिलेगी. आपकी कोई कार्ययोजना सफल होने से आपका मन भी प्रसन्नचित्त रहेगा. वैसे इस हफ्ते आप चतर बुद्धि का भी खूब प्रयोग करेंगे, और इससे भी लाभ प्राप्त कर पाएंगे.

कर्क-मिथुन राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह उम्मीद की नई रोशनी लाएगा लेकिन शुरुआत में आपको कुछ मानसिक थकान और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में आपके कुछ नया बदलाव दिखेगा जो आपको परेशान तो करेगा लेकिन बहुत कुछ सीखने का भी मौका देगा. आपको इस समय अवसर पर नजर बनाए रखने की जरूरत रहेगी. वैसे आपको जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा.

सिंह-कर्क राशि के जातकों के लिए फरवरी महीने का यह सप्ताह आरंभ में मानसिक उलझन भरा रहने वाला है. राशि स्वामी चंद्रमा सिंह राशि में केतु के साथ यति संबंध बनाएंगे. ऐसे में आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए, चोट लगने की आशंका रहेगी और कुछ गलत निर्णय की वजह से मानसिक तनाव भी मिल सकता है. जो जातक तकनीकी कार्य से जुड़े हुए हैं उनको अपनी तकनीकी क्षमता का लाभ मिलेगा.

कन्या-सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित रहने वाला है. सप्ताह के पहले भाग में आपको अधिकारियों से वाद विवाद में उलझने से बचना होगा साथ ही आपको विरोधियो और शत्रओं से भी सतर्क रहना होगा. सरकारी क्षेत्र का कोई काम फंसा है तो आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है.

तुला-कन्या राशि के जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह सामान्य रूप से अच्छा रहेगा. वैसे इस हफ्ते आपकी सफलता में आपकी चतुर बुद्धि का बड़ा हाथ होगा. आप परंपरा से हटकर कुछ नया आजमाने का प्रयास कर सकते हैं. इस हफ्ते के आरंभ में ही राशि स्वामी बुध राहु से यति बनाएंगे ऐसे में आप उन क्षेत्रों से भी लाभ का अवसर निकालने में कामयाब होंगे जहां से काम बनने की उम्मीद कम होगी और इसके लिए आप उंगली टेढ़ी भी कर सकते हैं.

वृश्चिक-तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सुखद और अनुकूल रहेगा. बीमार चल रहे जातकों की सेहत में सुधार होगा. आप सप्ताह के आरंभ से भी सक्रिय और सजग नजर आएंगे. आपको अपने अनुभव और कार्यकशलता का लाभ मिलेगा. आपकी कोई अटकी योजना पूरी होगी. लव लाइफ में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा. कोई मित्र आपकी मदद भी कर सकता है. संतान सं संबंधित आपकी किसी चिंता का समाधान होगा.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें. आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-फरवरी महीने का यह पहला सप्ताह लाभ का संयोग बना रहा है. इस हफ्ते राशि से दसवें भाव में मंगल का गोचर होना आपके करियर और कारोबार के लिए शुभ रहने वाला है. आपको कुछ अप्रत्याशित लाभ भी प्राप्त होगा. नौकरी में आपका प्रभाव

शहर ही नहीं तो विदर्भ में सर्वप्रथम
गरीबों ,बेसहारों ,अनाथों के लिए सर्वज्ञ फाऊंडेशन रोटी बैंक के माध्यम से निरंतर ८ वर्षों से अन्नदान करने वाले संस्थापक अध्यक्ष,हमारे मित्र

मनीष रमेशराव पावडे को

संत गाड़गेबाबा सामाजिक सेवा पुरस्कार मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएं. आप इसी तरह सेवाभाव के साथ आसमानी ऊंचाई हासिल करें, यही कामना करते हैं.

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान,फ़ाऊंडेशन के सभी सहयोगी तथा मनीष पावडे मित्र मंडल,सरस्वती नगर,अमरावती.

अल्पसंख्यक दर्जा आदेश रद्द, अधिकारी नपा

पेज 1 से जारी-अजीत पवार की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद दिया गया था. उस समय वही अल्पसंख्यक विकास विभाग का प्रभार संभाल रहे थे. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन सभी 75 शिक्षण संस्थानों के अल्पसंख्यक दर्जे पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है और पूरे मामले की विस्तृत समीक्षा के आदेश दिए हैं.आरोप लग रहे हैं कि इन प्रमाण पत्रों के लिए प्रति संस्थान पांच से 10 लाख रुपए तक की वसूली की गई है. अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा मिलने से शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत 25 प्रतिशत आरक्षण की अनिवार्यता से छूट मिलती है और नियुक्तियों में अधिक प्रशासनिक स्वायत्तता प्राप्त होती है.

शुभेच्छुक-ज्ञानेश्वर धाने पाटील,पूर्व विधायक तथा
उपनेता शिवसेना शिंदे गुट, अमरावती.

माधुरी डोंगरे : संघर्ष में ही सफलता की ताकत

पेज 1 से जारी- करीब से देखा. उसी संघर्ष से उसने एक बड़ा सबक सीखा परिस्थितियों से बड़ी मेहनत होती है. यहीं से उसका इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर झुकाव बढ़ने लगा.दसवीं तक की पढ़ाई मराठी माध्यम से पूरी करने के बाद उसने अमरावती के लेडीज़ आई टी आई में इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक ट्रेड में प्रवेश लिया. पिता टीवी मैकेनिक होने के कारण उसे पहले से ही सर्किट और उपकरणों का प्राथमिक ज्ञान था. खराब रेडियो से फिर से मधर आवाज सनने की खुशी उसे सीखने की नई ऊर्जा देती थी. अगर सीखना है तो काम करके सीखना है.इस विचार से उसने आई टी आई का चयन किया. डिग्री से ज्यादा कौशल बड़ा होता है और कौशल इंसान को आत्मनिर्भर बनाता है यह उसका दृढ़ विश्वास था. 2004 से 2006 के बीच उसने इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक का कोर्स उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ पूरा किया.प्रशिक्षण के दौरान आर्थिक कठिनाइयाँ, आत्मविश्वास की कमी और बार-बार असफलताएँ उसके हिस्से आईं. सर्किट फेल हो जाते, प्रोजेक्ट बिगड़ जाते. लेकिन असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है.यह सीख उसके प्रशिक्षक श्री ठोके ने उसके मन में गहराई से बैठा दी. वह केवल कक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि घर पर भी लगातार प्रयोग करती रही.उपकरण खोलना, सर्किट समझना, खुद मरम्मत करना इसी प्रक्रिया में उसका वास्तविक शिक्षण हुआ.मजबूत बेसिक प्रशिक्षण के कारण उसे पॉलिटेक्निक में सीधे दूसरे वर्ष में प्रवेश मिला. डिप्लोमा पूरा करने के बाद इंजीनियरिंग में भी सीधे दूसरे वर्ष में प्रवेश मिला और उसने तीन साल में डिग्री पूरी कर ली. पुणे की विभिन्न कंपनियों में अनुभव लेने के बाद वह उच्च शिक्षा के लिए यूनाइटेड किंगडम गई और

डिग्री से ज्यादा कौशल बड़ा होता है और कौशल इंसान को आत्मनिर्भर बनाता है, मेहनत, लगन तथा समय प्रबंधन को मानती है कामयाबी का त्रिसूत्री

सपने बड़े रखो. परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, खुद पर विश्वास रखो. आईटीआई अंत नहीं सफलता की पहली सीढ़ी है.कुल मिलाकर संघर्ष ही सफलता का मंत्र होता है.
माधुरी डोंगरे

एम.एससी. (एम्बेडेड सिस्टम्स एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स) विशेष योग्यता के साथ पूरी की.वर्तमान में माधुरी डोंगरे लंदन में कार्यरत हैं. उनका मशीन लर्निंग से संबंधित शोधपत्र शीघ्र प्रकाशित होने वाला है. यूके में पढ़ाई के दौरान उनका चयन स्टूडेंट एम्बेसडर के रूप में हुआ था.आगे उनका लक्ष्य पीएचडी करना हैं और शोध व नवीन तकनीक में योगदान देना है.

वह स्पष्ट कहती हैं कि उनके शोध की नींव आईटीआई के प्रैक्टिकल प्रशिक्षण से ही मजबूत हुई. इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी समझ आईटीआई ने इतनी पुख्ता कर दी कि विदेश में उन्होंने तकनीकी इंटरव्यू पूरे आत्मविश्वास से दिए.सन 2013 में उनके पिता का निधन हो गया, यह उनके जीवन का सबसे कठिन समय था. लेकिन उनकी माँ ने मजबूती से साथ दिया और पढ़ाई रुकने नहीं दी. आज माधुरी की हर सफलता के पीछे माँ का त्याग, साहस और निस्वार्थ प्रेम खड़ा है.

आज वह ग्रामीण युवाओं से अपील करती हैं कि आईटीआई में आने वाले अधिकतर विद्यार्थी मेहनतकश परिवारों से होते हैं. कौशल आधारित शिक्षा ही असली आत्मनिर्भरता का साधन है. भारत लौटने के बाद ग्रामीण युवाओं के लिए काम करना और कौशल शिक्षा का प्रसार करना वह अपना कर्तव्य मानती हैं.सरकार की कौशल विकास नीतियाँ युवाओं के लिए बड़ा अवसर हैं. सही मार्गदर्शन और प्रभावी अमल से लाखों युवाओं का जीवन बदल सकता है. माधरी का एक ही संदेश है:सपने बड़े रखो. परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, खुद पर विश्वास रखो. आईटीआई अंत नहीं सफलता की पहली सीढ़ी है.कुल मिलाकर संघर्ष ही सफलता का मंत्र होता है.

रवींद्र दांडगे
आईटीआई, अंजनगांव सुर्जी
जिला अमरावती

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

महाराष्ट्र शासन जलसंपदा विभाग
यांत्रिकी मंडळ, नागपुर

कार्यकारी अभियंता, यांत्रिकी विभाग, अमरावती

निविदा सूचना क्र. २२/ सन-२०२५-२६

पत्ताः- कार्यकारी अभियंता, यांत्रिकी विभाग, जलसंपदा परिसर जेल रोड, अमरावती,
ई मेल पत्ताः mechdamt@gmail.com
दुरध्वनी क्र. ०७२१-२९९१४४९
निविदा सुचना क्र. २२/२०२५-२६

सन :- २०२५-२०२६

महाराष्ट्र राज्याच्या राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता यांत्रिकी विभाग अमरावती जलसंपदा विभाग, महाराष्ट्र शासन हे सक्षम निविदाकाराकडुन खालील कामाकरिता निविदा मागवित आहेत. सविस्तर निविदा सुचना शासनाच्या http://wrd.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर व विभागीय कार्यालयाच्या सुचना फलकावर उपलब्ध आहे.

निविदा स्वीकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता यांत्रिकी विभाग यांनी राखुन ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्वीकारली जाणार नाही. निविदा सुचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास विभागीय कार्यालयाच्या सुचना फलकावर उपलब्ध करुन देण्यात येईल

अ.क्र.	कामाचे नाव	जिल्हा	अंदाजपत्रकीय रक्कम	भरण्याचा निविदा कालावधी	निविदा स्विकृतीचा दिनांक व वेळ	शेरा
१	2	3	3	4	5	6
१	उपविभागांतर्गत कार्यरत संयंत्राकरीता आवश्यक मनुष्यबळ जडयंत्रचालक मदतनिस चौकीदार यांचा पुरवठाचे कामे करण्याबाबत.	अमरावती	रुपये ३,०७,०४२/- विमा व जीएसटी वगळून	दि.१६/०२/२०२६ ते दि.२३/०२/२०२६ पर्यंत	दि.२३/०२/२०२६ रोजी १८.०० वाजेपर्यंत स्विकारण्यात येतील व दि.२५/०२/२०२६ रोजी सकाळी ११.०० वाजता उघडण्यात येतील.	

जा.क्र.188///यांविअम/लेशा-२/२०२६ दिनांक : १०/०२/२०२६

कार्यालय
कार्यकारी अभियंता
यांत्रिकी विभाग
अमरावती

(नि.पां. खडसे)
कार्यकारी अभियंता
यांत्रिकी विभाग
अमरावती.

वि.पा.का./अम./जाहि./1072 २०२५-२०२६

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें
विदर्भ स्वाभिमान
संपर्क
9423426199/8855019189

ज़नसंवाद में रखी गई १२०० शिकायतें,कई का निपटारा

जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की पहल जिले में दिखा रही असर, लोगों में भी अपार हर्ष

विदर्भ स्वाभिमान, 11 फरवरी

अमरावती- जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा जिस तरह से जिले के विकासार्थ प्रयास किया जा रहा है, उसके साथ ही जनता की शिकायतों के निराकरण के लिए नित-नए प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, उसकी सराहना लोगों द्वारा की जा रही है. जनसंवाद उपक्रम के तहत जिले की विभिन्न तहसीलों में हुए जनसंवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं और उनकी समस्याओं को प्रशासन न केवल सुन रहा है, बल्कि कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है इससे प्रशासन गतिमान होने के साथ लोगों में भी प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है. बुधवार को जिले में विभिन्न तहसीलों में आयोजित कार्यक्रम में 1200 शिकायतें मिली और इसमें से कई शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया.

जिला प्रशासन की गतिमानता को लेकर लोगों में जहां संतोष जताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इस मामले में जिला पालकमंत्री की पहल की सराहना भी की जा रही है. जिला प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की पहल पर जिले में मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत बुधवार को विभिन्न तहसीलों में तहसील स्तर पर जनसंवाद एवं शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अभियान को जिले में उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला. 14 तहसीलों में कुल 1197 नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें से 137 मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया.

जिलास्तर पर सम्पन्न जनसंवाद लोगों के लिए काफी कारगर रहा. विभिन्न तहसीलों से प्राप्त शिकायतों में अमरावती 52, तिवसा 35, भातकुली 56, दर्यापुर 85, अंजनगांव सुर्जी 123, अचलपुर 76, चांदूर बाजार 48, धारणी 43, चिखलदरा 80, मोर्शी 76, वरूड

110, चांदूर रेलवे 136, धामणगांव रेलवे 134 और नांदगांव खंडेश्वर 43 शिकायतें शामिल रहीं. कार्यक्रम में संबंधित क्षेत्रों के विधायक, उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार तथा जिला ग्रामीण विकास, आपूर्ति, जलसंधारण और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे. धारणी तहसील कार्यालय की नई प्रशासनिक इमारत में भी जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहाँ ग्रामीण और शहरी नागरिकों ने अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं.

शिकायतों में बिजली वितरण, ग्रामीण पेयजल, जलसंधारण, राजस्व, शिक्षा, आवास योजना, पुनर्वसन और गैस वितरण से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे. अधिकारियों ने विभागीय समन्वय के साथ शिकायतों के त्वरित निपटारे के निर्देश दिए. जिला प्रशासन ने कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए तहसील-वार समन्वयक अधिकारी नियुक्त किए थे. इस पहल से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुँचाने का अवसर मिला और प्रशासन-जनता के बीच की दूरी कम करने का प्रयास किया गया. जिलाधिकारी के साथ ही तहसील प्रशासन सहित सभी सरकारी विभाग भी गतिमान होकर उपक्रम को सफल बना रहे.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450